AH-1041 CV-19-S

B.A. (Part-II)

Term End Examination, 2019-20

Paper-II

Sanskrit Literature

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई–1

(क) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए– 15

1. तस्याः खुरन्यासपवित्र पांसुमपांसुलानां धुरि कार्तनीया।
   मार्ग मनुस्येश्वर धर्मपत्नी श्रुतेरिवार्थस्मृति रन्व गच्छत्।।
2. वसिष्ठधेनारनुयायिनं तमावर्तमानं वनिता वनान्तात्।
   पपौ निमेषालस पक्ष्म पडि.त्ति त्तस पोषिताम्यामिव लोचनाम्याम्।।
3. अलं महीपालातव श्रमेण प्रयुक्तमाप्यस्त्रमितो वृथा स्यात्।
   न पादपोमूलनशक्ति रहः शिलोच्चये मूर्च्छति मारूतस्य।।?
4. उविष्ठ वत्सेत्यम भृताममानं क्वो निशम्योत्थित मुत्थितः सन्।
   ददर्स राजाजननी मिव स्वां गामग्रतः प्रसृविणींन सिंहम्।।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 10

1. स्थतः स्थितामुच्चलितः प्रमातां निषेदुषीमासन वन्यधीरः।
   ज्लामिलाषी जलमाददानां छायेवतां मूपतिरन्व गच्छत्।।
2. एकातपतं जगतः प्रमुत्वं नवं वमः कान्तामिदं वपुश्च।
   अल्पस्य हेतोर्वहु हातुमिच्छिन् विचारमूढः प्रतिभाषि मेत्वम्।।

इकाई–2

2. राजादिलीप एवं सिंह के संम्वाद का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

रघुवंश महाकाव्य के द्वितीय सर्ग के आधार पर प्रकृति–चित्रण कीजिए।

इकाई–3

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 20

1. सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिन कपोल भितिषु राजेशु।
   प्रकृतिरियं सत्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः।।
2. येषां न विद्या न तपो न दानं न ज्ञान न शीलं न गुणों न धर्मः।
   ते मृत्युलोके मुवि मारमूता मनु स्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।
3. मनसि वचसि काये पुण्यपीयूषपूर्णा स्त्रिभुवनमुपकार श्रेणिमिः ज्रीणयन्वः।
   प्रगुण परमाणून पर्वतीकृत्य नित्यः निजहदि विकशन्तः सन्ति सन्तः क्रियन्तः।।
4. रे रे चातक! सावधान मनसामिच! क्षणं श्रुयतामम्मोदा वहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः।
   केचिद वृष्टि मिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति कोचिद् वृथा। यं यं प्रयसि तस्य तस्य पुरतों मा ब्रुहि दीन वचः।।

इकाई–4

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियां लिखिये– 10
   1. बुद्ध चरित्र
   2. पद्य चूणामणि
   3. सुग्रीव वद्य
   4. महिकाव्य
   5. हरविजय
   6. हर्षचरित

इकाई–5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियां लिखिये– 10
   1. गीत काव्य
   2. पंच्चलहरी
   3. रामायण चम्पू
   4. हितोपदेश
   5. कथा सरित्सागर
   6. रक्षुगन्धा